भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †149

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

माजुली में पर्यटन द्वीप का विकास

†149. श्री गौरव गोगोई:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत माजुली द्वीप को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) तेजपुर-माजुली-शिवसागर विरासत परिपथ के विकास के अंतर्गत स्वीकृत सभी परियोजनाओं के लिए निधि आवंटन का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा सतत् पर्यटन विकास सुनिश्चित करने और माजुली को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार की माजुली में पर्यटन अवसंरचना के विकास और अनुभवों को देखते हुए निधियां आवंटित करने की कोई और योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में अपनी स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के तहत 90.98 करोड़ रु. की लागत से 'तेज़पुर-माजुली-शिवसागर का विकास' परियोजना को स्वीकृति दी थी। राज्य सरकार ने इस परियोजना के शतप्रतिशत पूरा होने की सूचना दी है। एसडीएस के तहत निर्मित परिसंपत्तियों के प्रचालन और प्रबंधन संबंधी कार्यकलाप राज्य सरकार द्वारा किए जाते हैं।

अब पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है और असम में 'जोरहाट' तथा 'कोकराझार (मानस)' सहित देश के 32 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 57 गंतव्यों को एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए चिन्हित

किया गया है। एसडी 2.0 योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने असम में दो एक्सपिरियन्स/परियोजनाओं अर्थात 26.67 करोड़ रु. की लागत से 'कोकराझार वेटलैंड एक्सपिरियन्स' और 23.91 करोड़ रु. की लागत से 'रीइमेजिनिंग सिन्नामारा टी एस्टटे' को स्वीकृति दी है । इसके अलावा, इस मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना के तहत असम राज्य में ईको पर्यटन और अमृत धरोहर की श्रेणी के अंतर्गत 'शिवसागर' को चिह्नित किया है।

पर्यटन मंत्रालय प्रचार संबंधी वेबसाइट, सोशल मीडिया, समारोह, क्रिएटिव, आउटरीच कार्यक्रम जैसे विभिन्न संवर्धनात्मक माध्यमों द्वारा असम सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

*****